स्रोत

सितम्बर 2003 विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स मूल्य 15.00 रुपए

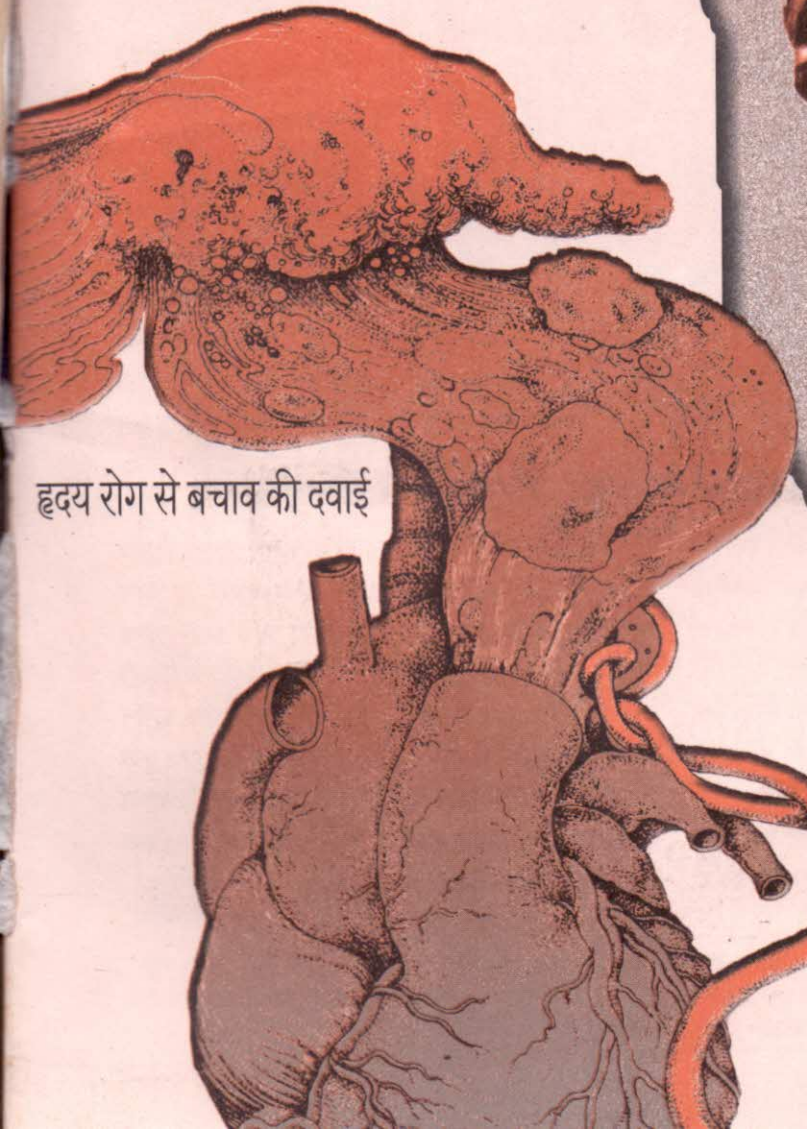

हृदय रोग से बचाव की दवाई

घुड़दौड़ में दौड़ेंगे
घोड़ों के क्लोन

घुड़दौड़ में दौड़ेंगे घोड़ों के क्लोन

घुड़दौड़ दुनिया भर में अरबों रुपए का धंधा है। घुड़दौड़ में दौड़ने वाले घोड़ों की वंशावली पर कड़ी नज़र रखी जाती है। ऐसा माना जाता है कि नस्ल का असर घोड़े की जीतने की संभावना पर पड़ता है। इसलिए घुड़दौड़ के लिए घोड़ों का संवर्धन करना एक प्रमुख व्यवसाय है। मगर अब नज़ारा बदलने को है।

इटली की प्रजनन टेक्नॉलॉजी प्रयोगशाला से खबर आई है कि पहला क्लोन घोड़ा जल्दी ही जन्म लेने वाला है। इसके अलावा टेक्सास ए एण्ड एम विश्वविद्यालय में केट्रिल हिनरिक्स के दल ने घोषणा की है कि उनके यहां एक क्लोन घोड़े का जन्म नवंबर में होगा। इससे पहले इदाहो विश्वविद्यालय में एक क्लोन खच्चर का जन्म हो चुका है। इसे 'इदाहो जेम' नाम दिया गया है। इदाहो विश्वविद्यालय के गॉर्डन वुड्स ने बताया है कि यह खच्चर पूरी तरह से स्वस्थ है। वैसे किसी वजह से घोड़े के क्लोन मुश्किल काम रहा है। घोड़े के अण्डे क्लोनिंग की सामान्य प्रक्रिया से आगे विकसित नहीं हो पाते हैं। लगता है अब उस बाधा को पार कर लिया गया है।

अब सवाल उठ रहा है कि क्या क्लोन घोड़ों को घुड़दौड़ में भाग लेने का मौका मिलेगा। इनकी नस्ल को लेकर तो कोई चिंता नहीं है। मसलन 'इदाहो जेम' एक विश्व चैम्पियन का क्लोन है। अमरीकी खच्चर दौड़ संघ के अध्यक्ष डॉन जैक्लिन, चाहते हैं कि 'इदाहो जेम' जल्द से जल्द खच्चर दौड़ में शरीक हो।

अलबत्ता, अभी घुड़दौड़ के जो कानून हैं उनके तहत क्लोन घोड़ों का भाग लेना शायद संभव न हो। अंतर्राष्ट्रीय घुड़दौड़ संधि के तहत ऐसे किसी घोड़े को दौड़ में भाग नहीं लेने दिया जाता है जिनका जन्म किसी टेक्नॉलॉजी की मदद से हुआ हो। क्लोनिंग इसी के अंतर्गत प्रतिबंधित हो जाएगा। मगर डॉन जैक्लिन का मत है कि यह सब 5-8 साल के अंदर बदल जाएगा। जब क्लोन घोड़े दौड़ेंगे तो घुड़दौड़ के शौकीन लोगों को ऐसे अवसर मिलेंगे कि वे इनका समर्थन करने लगेंगे। जैसे क्लोनिंग की मदद से घोड़ों की नस्ल को बनाए रखा जा सकेगा; खासकर यह तकनीक उन घोड़ों के मामले में कारगर होगी जिन्हें दौड़ के लिए वंध्या कर दिया जाता है।

वैसे क्लोन घोड़ों की शिरकत को लेकर सबसे ज़्यादा चिंतित वे संवर्धक हैं जो लगातार नस्ल सुधार का काम करते हैं। उनके द्वारा तैयार किए गए घोड़े लाख-लाख डॉलर में बिकते हैं। क्लोनिंग से तो ऐसे घोड़ों की फैक्ट्री लग जाएगी। कुछ लोगों को यह भी चिंता है कि क्लोन घोड़ों को घुड़दौड़ में भाग लेने की अनुमति देने से मात्र कुछ नस्लों व वंशावलियों के घोड़े हावी हो जाएंगे और विविधता कम होगी। अब देखिए ऊंट (या घोड़ा) किस करवट बैठता है। *(स्रोत विशेष फीचर्स)*